अस्मिन् प्रश्नपत्रे **51** प्रश्नाः एवम् **16** मुद्रित पृष्ठाः सन्ति।
इस प्रश्न–पत्र में **51** प्रश्न तथा **16** मुद्रित पृष्ठ हैं।

अनुक्रमाङ्कः
रोल नं. | | | | | | | | | | | | |

गूढसंख्या 69/S/A
कोड नं.

VEDA ADHYAYAN
वेदाध्ययनम्
वेद अध्ययन
(245)

स्तवकः/ सेट A

परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च
(परीक्षा का दिन व दिनांक) ____________________

निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम्
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर)
1. ____________________
2. ____________________

सामान्या निर्देशाः –

1 अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः।

2 निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।

3 वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (A), (B), (C), (D) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।

4 समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।

5 उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।

6 स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या **69/S/A,** स्तवक-**A** नूनं लेख्या।

7 समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

सामान्य निर्देश :

1 प्रश्न–पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

2 प्रश्न–पत्र को जाँच लें कि प्रश्न–पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के प्रारम्भ में छपी है और प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।

3 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में चार विकल्पों (A), (B), (C), (D) में से सही उत्तर चुनकर उत्तर–पत्र में लिखना है।

4 सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखना है।

5 उत्तर–पत्र में पहचान–चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी लिखना सर्वथा वर्जित है।

6 अपने उत्तर–पत्र में प्रश्न–पत्र का कोड नं. **69/S/A,** सेट-**A** अवश्य लिखें।

7 सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में ही लिखें।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

VEDA ADHYAYAN

वेदाध्ययनम्

वेद अध्ययन

(245)

परीक्षासमयावधिः (Time) – **होरात्रयम्** (3 Hrs.) | **पूर्णाङ्काः** (Full Marks) – : **100**

परीक्षा का समय : तीन घंटे | **पूर्णाङ्क – : 100**

निर्देशाः **(i)** अस्मिन् प्रश्नपत्रे **[A]** भागे **20**, **[B]** भागे **15**, **[C]** भागे **6**, **[D]** भागे **6**, **[E]** भागे **4** इति आहत्य **51** प्रश्नाः सन्ति।

(ii) **सर्वे** प्रश्नाः **अनिवार्याः**।

(iii) प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काः × प्रश्नाः = पूर्णाङ्काः) इति एवम् अङ्कान् निर्दिशति।

(iv) **[A]** भागे प्र.सं. **1** तः **20** पर्यन्तं वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पप्रकारस्य प्रश्नाः **(MCQs)** येषु प्रत्येकम् एकः अङ्कः भवति। एतेषु प्रत्येकस्मिन् प्रश्ने दत्तचतुर्णां विकल्पानां मध्ये सर्वाधिकम् उपयुक्तं विकल्पं चित्वा लिखन्तु।

(v) **[B]** भागे प्र.सं. **21** तः **35** पर्यन्तम् वस्तुनिष्ठप्रश्नाः/मेलनम्, रिक्तस्थानानि, सत्यम्–असत्यम्, इत्यादिः। प्रत्येकं प्रश्नः अंकद्वयात्मकः अस्ति। ते यथानिर्देशं समाधेयाः।

(vi) **[C]** भागे प्र.सं. **36** तः **41** पर्यन्तम् अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अंकद्वयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं **30** तः **50** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

(vii) **[D]** भागे प्र.सं. **42** तः **47** पर्यन्तम् अनतिदीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अंकत्रयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं **50** तः **80** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

(viii) **[E]** भागे प्र.सं. **48** तः **51** पर्यन्तम् दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् पञ्चाङ्कात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं **80** तः **100** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

(ix) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

(x) स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या नूनं लेख्या।

(xi) उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।

(xii) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।

(xiii) निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पुटसंख्या प्रश्नानां च संख्या प्रथमपुटस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।

(xiv) अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपुटे नूनं लेख्यः।

Unnati Educations

9899436384, 9654279279

निर्देश : **(i)** इस प्रश्न–पत्र में भाग **[A]** में **20**, भाग **[B]** में **15**, भाग **[C]** में **6**, भाग **[D]** में **6**, भाग **[E]** में **4**, प्रश्नों सहित कुल **51** प्रश्न हैं।

(ii) **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

(iii) प्रश्न की दाहिनी ओर की संख्या (अंक × प्रश्न = पूर्णाङ्क) अंक को सूचित करती है।

(iv) भाग **[A]** में प्र.सं. **1** से **20** तक वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न **(MCQs)** प्रत्येक एक अंक का होगा। इनमें से प्रत्येक प्रश्न में दिए गए चार विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प चुनें और लिखें।

(v) भाग **[B]** में प्र.सं. **21** से **35** तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न/मिलान, रिक्तस्थान, सत्य–असत्य आदि हैं। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का हैं। उनके निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

(vi) भाग **[C]** में प्र.सं. **36** से **41** तक प्रत्येक दो–दो अंक के अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार उनके **30** से **50** शब्दों की सीमा में उत्तर लिखना चाहिए।

(vii) भाग **[D]** में प्र.सं. **42** से **47** तक प्रत्येक तीन अंक के लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार उनके **50** से **80** शब्दों की सीमा में उत्तर लिखना चाहिए।

(viii) भाग **[E]** में प्र.सं. **48** से **51** तक प्रत्येक पाँच अंक के दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार उनके **80** से **100** शब्दों की सीमा में उत्तर लिखना चाहिए।

(ix) सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में ही लिखे जाने चाहिए।

(x) अपनी उत्तर–पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र का गुप्त क्रमांक अवश्य लिखिए।

(xi) उत्तर–पुस्तिका पर स्व–पहचान लिखना या निर्धारित स्थान को छोड़कर कहीं भी क्रमांक लिखना सख्त वर्जित है।

(xii) सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय के अंदर लिखने होंगे।

(xiii) जाँचें कि क्या प्रश्न–पत्र की पत्रसंख्या और प्रश्नों की संख्या पहले पत्र की शुरुआत में दी गई संख्या के समान है या नहीं। प्रश्न क्रम सही है या नहीं।

(xiv) प्रश्न–पत्र के प्रथम पत्र में अनुक्रमांक अवश्य लिखिए।

1 Answers of all questions are to be given in the Answer-Book given to you.
सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराणि दत्तोत्तरपुस्तके एव लिखन्तु।
सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गयी उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें।

2 15 minutes time has been allotted to read this Question Paper. The Question Paper will be distributed at 2.15 p.m. From 2.15 p.m. to 2.30 p.m., the students will read the Question Paper only and will not write any answer on the Answer-Book during this period.
प्रश्नपत्रिकां पठितुं **15** निमेशाः दत्ताः। प्रश्नपत्रिका **02.15** मध्यह्ने समये दीयते। **02.15** समयतः **02.30** समयपर्यन्तं प्रश्नपत्रिकामेव छात्राः पठेयुः, एतस्मिन् समये उत्तरपत्रिकायां न किमपि उत्तरं लिखेयुः।
इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न–पत्र का वितरण दोपहर में **02.15** बजे किया जाएगा। **02.15** बजे से **02.30** बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

[A] विंशतिप्रश्नानां युक्तं विकल्पं चिनुत। **1×20=20**

प्रश्न संख्या **1–20** तक बहुविकल्पी प्रश्न हैं।

1 रिहाणे इत्यत्र धातुः अस्ति? **1**

(A) रिह् (B) लिह्

(C) रुह् (D) लुट्

रिहाणे यहां धातु है?

(A) रिह् (B) लिह्

(C) रुह् (D) लुट्

2 जवेते कस्मात् धातोः निष्पद्यते? **1**

(A) जव् (B) जुव्

(C) जुङ् (D) जेव्

जवेते कस्मात् धातोः निष्पद्यते?

(A) जव् (B) जुव्

(C) जुङ् (D) जेव्

3 संज्ञान सूक्तस्य प्रथममन्त्रस्य देवता अस्ति? **1**

(A) अग्निः (B) सूर्यः

(C) उषा (D) पूषा

संज्ञान सूक्तस्य प्रथममन्त्रस्य देवता अस्ति?

(A) अग्निः (B) सूर्यः

(C) उषा (D) पूषा

4 A New Approach to the vedas इति पुस्तकं केन लिखितम्? **1**

(A) श्रीमदानन्द कुमारः (B) महर्षि अरविन्दः

(C) स्वामी दयानन्दः (D) सायणाचार्यः

A New Approach to the vedas इस पुस्तक का लेखक कौन है?

(A) श्रीमदानन्द कुमार (B) महर्षि अरविन्द

(C) स्वामी दयानन्द (D) सायणाचार्य

Unnati Educations

9899436384, 9654279279

5 हरिश्चन्द्रः कं देवमुपास्य पुत्रं लब्धवान् ? 1

(A) सोमम् (B) इन्द्रम्

(C) वरुणम् (D) पवमानम्

हरिश्चन्द्रः कं देवमुपास्य पुत्रं लब्धवान् ?

(A) सोमम् (B) इन्द्रम्

(C) वरुणम् (D) पवमानम्

6 संज्ञान सूक्तः ऋग्वेदस्य कस्मिन् मण्डले ? 1

(A) पञ्चमे (B) दशमे

(C) नवमे (D) तृतीये

संज्ञान सूक्त ऋग्वेद के किस मण्डल में है ?

(A) पांचवे (B) दसवे

(C) नवे (D) तीसरे

7 आ रिख किकिरा – इति मन्त्रः कस्माद् सूक्ताद् ? 1

(A) उषा (B) पूषन्

(C) सूर्यः (D) संज्ञान

आ रिख किकिरा – यह मन्त्र किस सूक्त से लिया गया है ?

(A) उषा (B) पूषन्

(C) सूर्य (D) संज्ञान

8 उषा शब्दस्यार्थः अस्ति ? 1

(A) उत्थायिका (B) प्रकाशिका

(C) वैदिका (D) ऋषिका

उषा शब्द का अर्थ है ?

(A) उत्थायिका (B) प्रकाशिका

(C) वैदिका (D) ऋषिका

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

9 अथेमस्मभ्यं रन्धय इत्यत्र रन्धय पदस्यार्थः ? **1**

(A) दुर्बलम् (B) वशीकुरु

(C) प्रतोद (D) परितृन्धि

अथेमस्मभ्यं रन्धय यहां पर रन्धय इस पद का क्या अर्थ है ?

(A) दुर्बलम् (B) वशीकुरु

(C) प्रतोद (D) परितृन्धि

10 यज्ञ शब्दस्य कति अर्थाः ? **1**

(A) त्रयः (B) चत्वारः

(C) पञ्चः (D) षट्

यज्ञ शब्द के कितने अर्थ है ?

(A) तीन (B) चार

(C) पांच (D) छः

11 उषा सूक्तस्य ऋषिः अस्ति ? **1**

(A) अङ्गिरा (B) अग्निः

(C) सूर्यः (D) वामदेवः

उषा सूक्त का ऋषि कौन है ?

(A) अङ्गिरा (B) अग्नि

(C) सूर्य (D) वामदेव

12 ईडाभक्षणमित्यस्य अर्थः ? **1**

(A) ओषधि सेवनम् (B) आहुतिदानम्

(C) प्रसादभक्षणम् (D) भोजनम्

ईडाभक्षण इस शब्द का अर्थ है ?

(A) ओषधि सेवन (B) आहुतिदान

(C) प्रसादभक्षण (D) भोजन

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

13 तस्मा इन्द्रः स्तूयमानः – इति कुतः संकलितः? 1

(A) इन्द्रसूक्ताद् (B) विश्वामित्र–नदी संवादात्

(C) शुनः शेपोपाख्यानाद् (D) सूर्य सूक्ताद्

तस्मा इन्द्रः स्तूयमानः – यह कहां से संकलित किया गया है?

(A) इन्द्रसूक्त से (B) विश्वामित्र–नदी संवाद से

(C) शुनः शेपोपाख्यान से (D) सूर्य सूक्त से

14 दैवत काण्डः कस्मिन् ग्रन्थे उपलभ्यते? 1

(A) निरुक्ते (B) महाभाष्ये

(C) वेदे (D) शतपथ ब्राह्मणग्रन्थे

दैवत काण्ड किस ग्रन्थ में उपलब्ध होता है?

(A) निरुक्त में (B) महाभाष्य में

(C) वेद में (D) शतपथ ब्राह्मणग्रन्थ में

15 विश्वामित्रस्य अङ्के कः उपविशति? 1

(A) रोहितः (B) शुनः शेपः

(C) अजीगर्तः (D) हरिश्चन्द्रः

विश्वामित्र की गोद में कौन बैठता है?

(A) रोहित (B) शुनः शेप

(C) अजीगर्त (D) हरिश्चन्द्र

16 नैतिक जगतः नियामकः (नैतिकाध्यक्षः) कः देवः? 1

(A) इन्द्रः (B) अग्निः

(C) वरुणः (D) विष्णुः

नैतिक जगत के नियामक कौनसे (नैतिकाध्यक्षः) देव है?

(A) इन्द्र (B) अग्नि

(C) वरुण (D) विष्णु

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

17 नाद्धस्य अनेन सूत्रेण किं कार्यं भवति? 1

(A) घादेशः (B) घप्रत्ययः

(C) नुडागमः (D) नकारादेशः

नाद्धस्य इस सूत्र से क्या कार्य होता है?

(A) घादेश (B) घप्रत्यय

(C) नुडागम (D) नकारादेश

18 अजीगर्तस्य पुत्रः कः न? 1

(A) शुनः पुच्छः (B) शुनःशेपः

(C) शुनोलाङ्गुलम् (D) शुनःशयम्

अजीगर्त का पुत्र नहीं हैं?

(A) शुनः पुच्छ (B) शुनःशेप

(C) शुनोलाङ्गुल (D) शुनःशय

19 संज्ञान सूक्तस्य प्रथममन्त्रस्य देवता अस्ति? 1

(A) उषा (B) पूषन्

(C) अग्निः (D) सूर्यः

संज्ञान सूक्त के प्रथममन्त्र के देवता है?

(A) उषा (B) पूषन्

(C) अग्नि (D) सूर्य

20 अजीगर्तः कं पुत्रं रोहिताय ददाति? 1

(A) प्रथमं (B) ज्येष्ठम्

(C) कनिष्ठम् (D) मध्यमम्

अजीगर्त किस पुत्र को रोहित को देता है?

(A) प्रथम (B) ज्येष्ठ

(C) कनिष्ठ (D) मध्यम

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

[B] पञ्चदशप्रश्नानां **(21-35)** यथानिर्देशम् उत्तराणि लिखत। **2×15=30**

निर्देशानुसार **(21-35)** तक पंद्रह प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

21 सत्यम् अथवा असत्यं विकल्पं चिनोतु। **2**

(क) पृष्टप्रतिवचने हेः अचः विकल्पेन प्लुतः भवति। (सत्यम्/असत्यम्)

(ख) अग्नीत्प्रेषणे परस्य च सूत्रः णत्वेन सम्बन्धितः। (सत्यम्/असत्यम्)

सत्य या असत्य विकल्प का चयन कीजिए।

(क) पृष्टप्रतिवचने हेः इस सूत्र से अच् विकल्प से प्लुत होता है। (सत्य/असत्य)

(ख) अग्नीत्प्रेषणे परस्य च यह सूत्र णत्व से सम्बन्धित है। (सत्य/असत्य)

22 सत्यम् अथवा असत्यं विकल्पं चिनोतु। **2**

(क) अमु च छन्दसि अनेन अमु प्रत्ययो न भवति। (सत्यम्/असत्यम्)

(ख) बहुप्रजाः शब्दस्य प्रयोगः लोके तथा बहुप्रजः शब्दस्य प्रयोगः वेदे भवति। (सत्यम्/असत्यम्)

सत्य या असत्य विकल्प का चयन कीजिए।

(क) अमु च छन्दसि इससे अमु प्रत्यय नहीं होता है। (सत्य/असत्य)

(ख) बहुप्रजा शब्द का प्रयोग लोक में तथा बहुप्रज शब्द का प्रयोग वेद में होता है। (सत्य/असत्य)

23 सत्यम् अथवा असत्यं विकल्पं चिनोतु। **2**

(क) सोमः अस्यामस्ति इति विग्रहे–<u>सोमावती</u> इति पदं मन्त्रे भवति। (सत्यम्/असत्यम्)

(ख) ऋग्वेदे सुञि परतः इकः दीर्घो भवति। (सत्यम्/असत्यम्)

सत्य या असत्य विकल्प का चयन कीजिए।

(क) सोमः अस्यामस्ति ऐसा विग्रह करने पर–<u>सोमावती</u> यह पद मन्त्र में बनता है। (सत्य/असत्य)

(ख) ऋग्वेद में सुञ् परे रहते इक् के स्थान पर दीर्घ होता है। (सत्य/असत्य)

24 सत्यम् अथवा असत्यं विकल्पं चिनोतु। **2**

(क) निपातस्य अनेन सूत्रेण दीर्घो भवति। (सत्यम्/असत्यम्)

(ख) लोके ऋभुक्षणम्/ऋभुक्षाणम् पद द्वयम् साधु। (सत्यम्/असत्यम्)

सत्य या असत्य विकल्प का चयन कीजिए।

(क) निपातस्य इस सूत्र से दीर्घ होता है। (सत्य/असत्य)

(ख) लोक में ऋभुक्षणम्/ऋभुक्षाणम् ये दोनों पद साधु है। (सत्य/असत्य)

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

25 सत्यम् अथवा असत्यं विकल्पं चिनोतु। **2**

(क) छन्दसि अवर्णान्ताद् अङ्गात् परस्य जसेः असुगागमो भवति। (सत्यम्/असत्यम्)

(ख) छन्दसि श्रीग्रामण्योः अनेन आमः नुट् आगमो न भवति। (सत्यम्/असत्यम्)

सत्य या असत्य विकल्प का चयन कीजिए।

(क) छन्दविषय में अवर्णान्त अङ्ग से परे जस् को असुगागम होता है। (सत्य/असत्य)

(ख) छन्दसि श्रीग्रामण्योः इस सूत्र से आम् को नुट् आगम नहीं होता है। (सत्य/असत्य)

26 सत्यम् अथवा असत्यं विकल्पं चिनोतु। **2**

(क) प्रसमुपोदः पादपूरणे अस्मिन् सूत्रे त्रयः उपसर्गाः सन्ति। (सत्यम्/असत्यम्)

(ख) दूवर्णान्ताद् रेफान्ताच्च परस्य मतोर्मस्य वः स्यात्। (सत्यम्/असत्यम्)

सत्य या असत्य विकल्प का चयन कीजिए।

(क) प्रसमुपोदः पादपूरणे इस सूत्र में तीन उपसर्ग है। (सत्य/असत्य)

(ख) दूवर्णान्त रेफान्त से परे मकार को व होता है। (सत्य/असत्य)

27 रिक्तस्थानं पूरयत। **2**

(1) बहुलं छन्दस्यमाङ् योगे ________

(2) श्रुशृणुपृकृवृभ्यः ________

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

(1) बहुलं छन्दस्यमाङ् योगे ________

(2) श्रुशृणुपृकृवृभ्यः ________

28 एकपदेन उत्तरत – **2**

(1) ओमभ्यादाने इत्यत्र अभ्यादानस्य को अर्थः ?

(2) यज्ञकर्मणि ये पदम् भवति ?

एक शब्द में उत्तर दीजिए –

(1) ओमभ्यादाने यहां पर अभ्यादान का क्या अर्थ है ?

(2) यज्ञकर्मणि ये यह पद होता है ?

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

29 उचितं मेलयत – **2**

(1) आम्रेडितः प्लुतो भवति ? (क) पितरामातरा

(2) वेदे निपातनं भवति ? (ख) भर्त्सने

उचित का मिलान कीजिए –

(1) आम्रेडित प्लुत कब होता है ? (क) पितरामातरा

(2) वेद में निपातन है ? (ख) भर्त्सने

30 एकपदेन उत्तरत – **2**

(1) सधमादस्थयोश्छन्दसि अनेन सहस्य स्थाने कः आदेशो भवति ?

(2) आज्जसेरसुक् अनेन कः आगमो भवति ?

एक शब्द में उत्तर दीजिए –

(1) सधमादस्थयोश्छन्दसि इस सूत्र से सह के स्थान पर क्या आदेश होता है ?

(2) आज्जसेरसुक् इससे कौनसा आगम होता है ?

31 अधोलिखितसूत्राणाम् उचित प्रकरणेन मेलनं कुरुत – **2**

(1) उपरिस्विदासीदिति च (क) स्वरप्रक्रिया

(2) ऋतश्छन्दसि (ख) समासान्तः प्रत्ययः

अधोलिखित सूत्रों को उचित प्रकरण से मिलाइए –

(1) उपरिस्विदासीदिति च (क) स्वरप्रक्रिया

(2) ऋतश्छन्दसि (ख) समासान्तः प्रत्ययः

32 उचितं मेलयत – **2**

(1) नश् धातोः कर्त्तरि लुङि तिपि रुपम् भवति (क) आनट्

(2) छन्दसि भूसुधियोः इत्ययस्य उदाहरणम् (ख) सुधियः/विभुवम्

उचित के साथ मिलान कीजिए –

(1) नश् धातु का कर्ता लुङ् लकार में तिप् में रुप बनता है (क) आनट्

(2) छन्दसि भूसुधियोः इस सूत्र का उदाहरण है (ख) सुधियः/विभुवम्

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

33 उचितस्य मेलनम् कुरुत – **2**

(1) मीनातेर्निगमे (क) ससूव

(2) ससुवेति निगमे (ख) प्रमिणन्ति

उचित का मिलान कीजिए –

(1) मीनातेर्निगमे (क) ससूव

(2) ससुवेति निगमे (ख) प्रमिणन्ति

34 उचितस्य मेलनम् कुरुत – **2**

(1) अनो नुट् (क) कर्णवन्तः

(2) नाद् घस्य (ख) सुपथिन्तरः

उचित का मिलान कीजिए –

(1) अनो नुट् (क) कर्णवन्तः

(2) नाद् घस्य (ख) सुपथिन्तरः

35 उचितं मेलयत – **2**

(1) अश्विमानण् (क) अण्

(2) नित्यं छन्दसि (ख) ङीष्

उचित का मिलान कीजिए –

(1) अश्विमानण् (क) अण्

(2) नित्यं छन्दसि (ख) ङीष्

[C] षण्णां प्रश्नानां यथानिर्देशम् उत्तराणि लिखत। **2×6=12**

निर्देशानुसार छह प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

36 सूर्यसूक्तस्य देवता–छन्दश्च लिखत। **2**

अथवा

संज्ञान सूक्तस्य देवता – छन्दश्च लिखत।

सूर्यसूक्त के देवता और छन्द का नाम लिखिए।

अथवा

संज्ञान सूक्त के देवता और छन्द का नाम लिखिए।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

37 शुनः शेपोपाख्याने प्रथम द्वितीयभागे कयोः मध्ये सम्वादः भवति ? 2

अथवा

शुनः शेपोपाख्याने कति गाथाः सन्ति ? रोहिताय चरैवेति कः उपदिष्टवान् ?

शुनः शेपोपाख्यान के प्रथम द्वितीयभाग में किनके मध्य में सम्वाद होता है ?

अथवा

शुनः शेपोपाख्यान में कितनी गाथा है ? रोहित को चरैवेति का उपदेश किसने दिया ?

38 मीमांसकानां मते वेदानां स्वरुपं किम् ? 2

अथवा

ऋषिः शब्दस्य को अर्थः ?

मीमांसको के मत में वेदों का स्वरुप क्या है ?

अथवा

ऋषि शब्द का क्या अर्थ है ?

39 वेदस्य यज्ञपरकीय व्याख्या केन कृता ? 2

अथवा

आध्यात्मिक व्याख्या केन–केन आचार्येण कृता ?

वेद की यज्ञपरकीय व्याख्या किस ने की है ?

अथवा

आध्यात्मिक व्याख्या किस–किस ने की है ?

40 श्रुशृणुपृकृवृभ्यश्छन्दसि इति सूत्रस्यार्थं लिखत। 2

श्रुशृणुपृकृवृभ्यश्छन्दसि इस सूत्र का अर्थ लिखिए।

41 धिष्व इत्यत्र धा धातोः इत्वं केन सूत्रेण निपात्यते ? 2

धिष्व इस उदाहरण में धा धातु को इत्व किस सूत्र से निपातन होता है ?

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

[D] षट् अनतिदीर्घोत्तरैः समाधत्त। **3×6=18**

छह प्रश्नों के दीर्घ उत्तर दीजिए।

42 पुषन् सूक्तं वर्णयत। **3**

अथवा

उषस्सूक्तं वर्णयत।

पुषन् सूक्तं का वर्णन कीजिए।

अथवा

उषस्सूक्त का वर्णन कीजिए।

43 इन्द्रस्य माहात्म्यं वर्णयत। **3**

इन्द्र के माहात्म्य वर्णन कीजिए।

44 विश्वामित्र–नदी संवादस्य सारं लिखत। **3**

विश्वामित्र–नदी संवाद का सार लिखिए।

45 अथ ह शुनः शेपो विश्वामित्रस्य... इति मन्त्रस्य **अथवा** तस्य ह विश्वामित्रस्यैकशतं इति मन्त्रस्य भावार्थः लेखनीयः, स्वभाषया सप्रसङ्गं व्याख्यायत। **3**

अथ ह शुनः शेपो विश्वामित्रस्य... इस मन्त्र का **अथवा** तस्य ह विश्वामित्रस्यैकशतं इस मन्त्र का भावार्थ करके सप्रसंङ्ग व्याख्या कीजिए।

46 ओमभ्यादाने सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यायत। **3**

ओमभ्यादाने इस सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

47 इकः सूञि सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यायत। **3**

इकः सूञि इस सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

Unnati Educations

9899436384, 9654279279

[E] चत्वारः प्रश्नाः दीर्घोत्तरैः समाधेयाः। **4×5=20**

चार दीर्घ प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

48 वेदाः पौरुषेयाः **अथवा** अपौरुषेयाः विमर्शयत। **5**

वेद पौरुषेय है **अथवा** अपौरुषेय इस पर विमर्श कीजिए।

49 सूर्यस्वरुपं **अथवा** संज्ञानसूक्तं स्पष्टयत। **5**

सूर्य के स्वरुप को **अथवा** संज्ञानसूक्त को स्पष्ट कीजिए।

50 मन्त्रे सोमाश्वेन्द्रियविश्वदेव्यस्य मतौ सूत्रं यथाग्रन्थं व्याख्यायत। **5**

मन्त्रे सोमाश्वेन्द्रियविश्वदेव्यस्य मतौ इस सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

51 इदन्तो मसि सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यायत। **5**

इदन्तो मसि इस सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

Unnati Educations

9899436384, 9654279279